(vi) STEPS FOR LIFTING THE LOCK-OUT IN BIHAR COTTON MILLS, LTD., PHULWARI SHAREEF IN BIHAR.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, औद्योगिक दृष्टि से पटना एक अत्यन्त ही पिछड़ा हुआ शहर है । वहां कोई भी बड़ा उद्योग धंधा नहीं है । उसके निकट ही फुलवारी शरीफ नामक एक प्रसिद्ध कस्बा है । वहां बिहार काटन मिल्स लि० नामक एक निजी कारखाना है, जो वर्षों से सूत तैयार करने का काम कर रहा है । पहले वहां मोटा कपड़ा भी बनता था परन्तु उसके मालिकों ने मुनाफे के लालच में कपड़े का उत्पादन बन्द कर केवल सूत का उत्पादन शुरू किया ।

बिहार काटन मिल्स लि० में काम करने वाले मजदूरों की संख्या लगभग एक हजार है । अपनी एकता और संघर्ष के बल पर पिछले वर्षों में उन लोगों ने बहुत सारी मांगें हासिल की हैं । कमर-तोड़ महंगाई को देखते हुए मजदूरों एवं उनके संगठनों ने पिछले दिनों कारखाने के मालिकों के सामने वेतन एवं अन्य सुविधाओं के पुनर्निधारण की मांग उठाई परन्तु दुःख है कि मालिकों ने मजदूरों एवं उनके संगठनों के साथ वार्ता कर समझौते का रास्ता निकालने के बजाय कारखाने में गत 24 जुलाई को तालाबन्दी की घोषणा कर दी । तालाबन्दी आज भी जारी है, जिसकी अवधि डेढ़ माह हो चुकी है। फलस्वरूप उसमें काम करने वाले मजदूर एवं उन पर निर्भर उनके परिवार के हजारों व्यक्ति आज की भीषण महंगाई में भुखमरी के शिकार हैं ।

ठीक बिहार सरकार की नाक के नीचे तालाबन्दी की गैर-कानूनी कार्यवाही चल रही है, फिर भी अब तक कारखाने के मालिकों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है । बिहार सरकार का श्रम विभाग भी अब तक मालिकों को ठीक रास्ते पर नहीं ला सका है । मालिकों के साथ इस प्रकार की हमदर्दी क्यों ?

तालाबन्दी के विरोध में अभी हाल में फुलवारी शरीफ सूती मिल मजदूर यूनियन ने धरना का कार्यक्रम चलाया था ।

सरकार से मेरा अनुरोध है कि वह कारखाने के मालिकों को कारखाना खोलने का आदेश दे, तालाबन्दी के लिए उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करे, मजदूरों को बन्दी के दिनों की मजदूरी का भुगतान करवायें, उनकी मजदूरी आदि में वृद्धि करे, मजदूरों पर चलाये गये मुकदमे वापस करवाये और पटना शहर के अगल-बगल में बड़े कारखाने खोलने की योजना चालू करे ।

(vii) NEED TO RESTORE TRAIN SERVICES ON AHMEDABAD-PATNA SECTION OF WESTERN RAILWAY

श्री मोतीभाई आर० चौधरी (मेहसाना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक-महत्व के निम्नलिखित विषय को उठाना चाहता हूं :

वेस्टर्न रेलवे के मेहसाना डिवीजन में कोयले की कमी के कारण बहुत समय से कई ट्रेनें बन्द कर दी गई हैं, जिससे यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है, खास करके जो ट्रेन में हर रोज के लिए सारा कालेजों में आ जा सकते हैं । विद्यार्थियों को, आफ़िस में जाते-आते रहने वाले कर्मचारियों को और कल-कारखानों में मजदूरी के लिए जाते-आते रहते मजदूर लोगों को बहुत परेशानी हो रही है । मजदूर लोग अपनी रोजगारी गंवा रहे हैं। बहुत समय बन्द होने के कारण से अब यात्री लोग तंग आ गये हैं और एक-दो बहुत उपयोगी ट्रेनें अगर चालू नहीं कर दी गई तो दंगा होने की पूरी संभावना है। मैं अभी-अभी वहां जा आया हूं और मुझ से भी यह पैसेंजर एसोसियेशन के लोगों ने निवेदन किया है कि जिसमें बताया